



Devanshu



A kathuria

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121840601

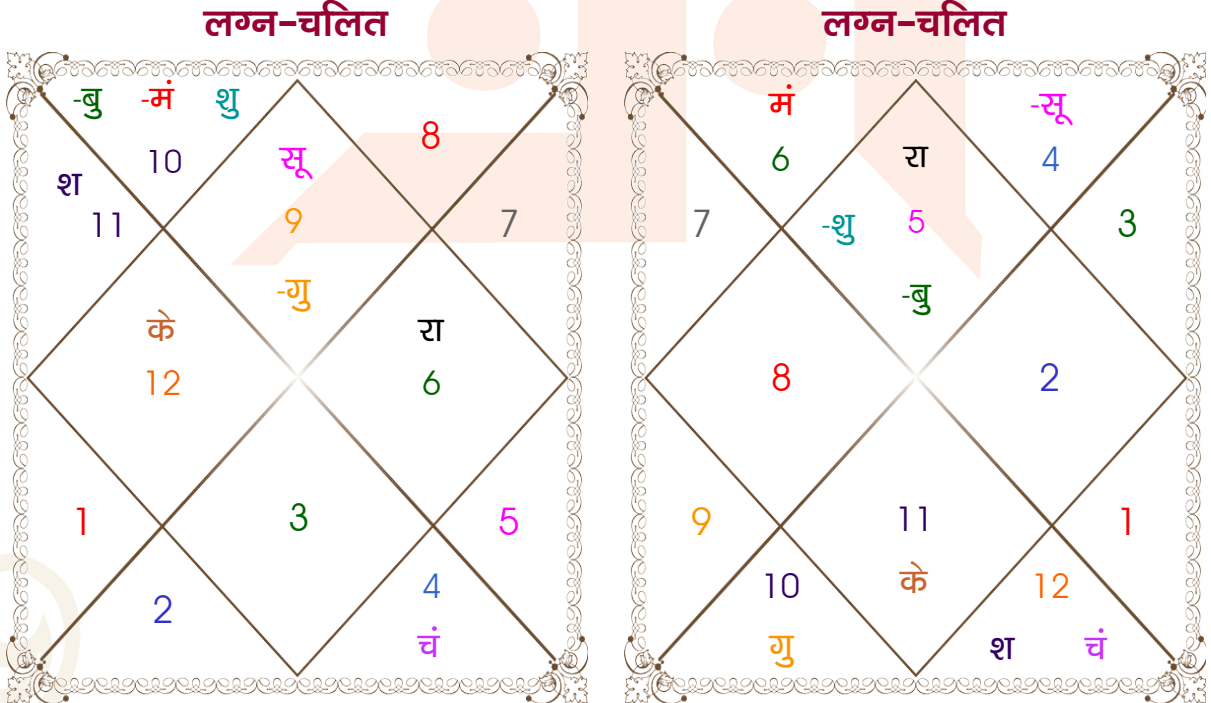
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/01/1996 :	जन्म तिथि	: 25/07/1997
सोमवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 07:46:00 :	जन्म समय	: 09:30:00 घंटे
घटी 00:38:22 :	जन्म समय(घटी)	: 09:24:09 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Delhi
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:30:39 :	सूर्योदय	: 05:38:31
17:45:18 :	सूर्यास्त	: 19:16:19
23:48:13 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:22
धनु :	लग्न	: सिंह
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
कर्क :	राशि	: मीन
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: गुरु
आश्लेषा :	नक्षत्र	: रेवती
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: बुध
1 :	चरण	: 1
विष्कुम्भ :	योग	: सुकर्मा
वणिज :	करण	: वणिज
डी-डीगेश्वर :	जन्म नामाक्षर	: दे-देविका
मकर :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
मार्जार :	योनि	: गज
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
श्वान :	वर्ग	: सर्प

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 10मा 26दि	26:09:24	धनु	लग्न	सिंह	27:28:42	बुध 15वर्ष 11मा 2दि
शुक्र	23:15:57	धनु	सूर्य	कर्क	08:26:05	शुक्र
04/12/2018	17:31:28	कर्क	चंद्र	मीन	17:30:43	26/06/2020
04/12/2038	05:54:38	मक	मंगल	कन्या	24:15:52	26/06/2040
शुक्र 05/04/2022	11:03:44	मक	बुध	सिंह	03:43:55	शुक्र 27/10/2023
सूर्य 05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु व	मक	25:07:44	सूर्य 26/10/2024
चन्द्र 04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र	सिंह	08:07:15	चन्द्र 27/06/2026
मंगल 03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि	मीन	26:29:21	मंगल 27/08/2027
राहु 03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु	सिंह	26:59:38	राहु 27/08/2030
गुरु 05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु	कुंभ	26:59:38	गुरु 27/04/2033
शनि 04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	13:03:34	शनि 26/06/2036
बुध 04/10/2037	01:08:24	मक	नेप व	मक	04:38:28	बुध 27/04/2039
केतु 04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:06:20	केतु 26/06/2040

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

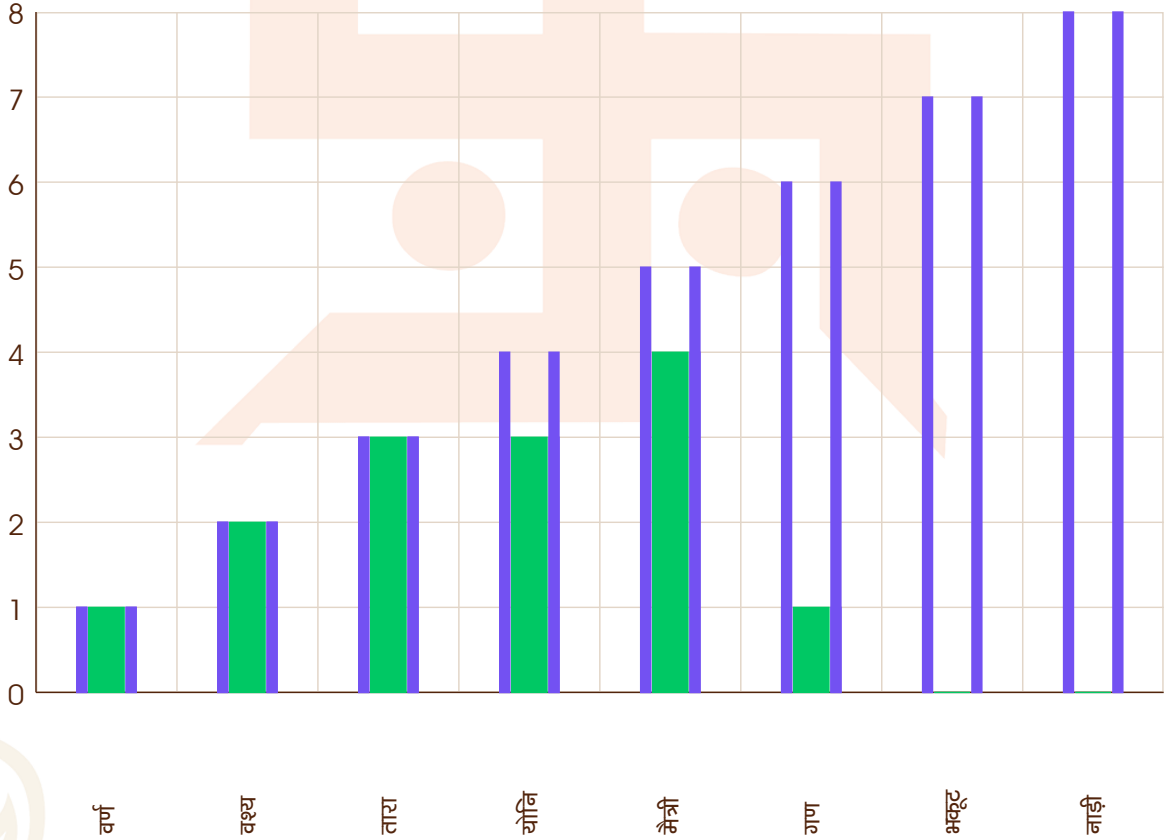
23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:22



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>14.00</b>		

कुल : 14 / 36



## अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि A kathuria का नक्षत्र रेवती है।

Devanshu का वर्ग श्वान है तथा A kathuria का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devanshu और A kathuria का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

Devanshu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

A kathuria मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Devanshu तथा A kathuria में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा A kathuria का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदरें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

### वश्य

Devanshu का वश्य जलचर है एवं A kathuria का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

### तारा

Devanshu की तारा जन्म तथा A kathuria की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

### योनि

Devanshu की योनि मार्जार है तथा A kathuria की योनि गज है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त

करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Devanshu का राशि स्वामी A kathuria के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि A kathuria का राशिस्वामी Devanshu के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

### गण

Devanshu का गण राक्षस तथा A kathuria का गण देव है। अर्थात् A kathuria का गण Devanshu के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Devanshu निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Devanshu का A kathuria के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। A kathuria हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

### भकूट

Devanshu से A kathuria की राशि नवम भाव में स्थित है तथा A kathuria से Devanshu की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Devanshu की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

### नाड़ी

Devanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा A kathuria की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Devanshu एवं A kathuria की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरों की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी

बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



## मेलापक फलित

### स्वभाव

Devanshu की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा A kathuria की राशि भी जलतत्व युक्त राशि मीन है। नैसर्गिक रूप से जलतत्व की जलतत्व से समानता एवं मित्रता होती है। अतः Devanshu और A kathuria के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Devanshu की जन्मराशि का स्वामी चन्द्रमा तथा A kathuria की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र एवं समराशियों में स्थित है। वैवाहिक जीवन की सुख शांति एवं समृद्धि के लिए यह स्थिति अच्छी मानी जाती है। इसके प्रभाव से Devanshu और A kathuria एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। साथ ही Devanshu और A kathuria का परस्पर आकर्षण लगाव एवं सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा एवं सम्मान जनक ढंग से एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना रहेगी।

Devanshu और A kathuria की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Devanshu और A kathuria के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। तथा यदा कदा अंहकार के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। इससे सुखी वैवाहिक जीवन में व्यवधान उत्पन्न होंगे। अतः Devanshu और A kathuria को चाहिए कि उपरोक्त दुष्प्रभावों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें तभी दाम्पत्य जीवन की समृद्धि एवं शांति में वृद्धि हो सकती है।

Devanshu और A kathuria दोनों का वश्य जलचर है। अतः दोनों की अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी सामंजस्य बना रहेगा। अतः दाम्पत्य सुख में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करके शांति पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Devanshu और A kathuria दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की रुचि शैक्षणिक एवं धार्मिकता के प्रति रहेगी तथा उत्साह एवं इच्छापूर्वक अपने कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे।

### धन

Devanshu और A kathuria का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Devanshu और A kathuria सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Devanshu को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

### स्वास्थ्य

Devanshu तथा A kathuria दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे A kathuria को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त A kathuria को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Devanshu और A kathuria का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Devanshu और A kathuria के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में A kathuria के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन A kathuria को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में A kathuria को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Devanshu और A kathuria सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Devanshu और A kathuria का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

A kathuria के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद A kathuria अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से A kathuria पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि A kathuria अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

## ससुराल-श्री

Devanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Devanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Devanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Devanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।